Date
22/05/2020

Subject – Pedagogy of Commerce
Topic – Curriculum of Teaching of Commerce

B.Ed
Ist Year

## वाणिज्य शिक्षण का पाठ्यक्रम

वाणिज्य एक सामाजिक शास्त्र है, सभी सामाजिक शास्त्रों का एक निश्चित उद्देश्य होता है, जिसके द्वारा समाज का विकास किया जाता है। इन उद्देश्यों या लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वाणिज्य का शिक्षण किया जाता है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बनायी गई सुनियोजित व्यवस्था को ही पाठ्यक्रम कहते हैं। पाठ्यक्रम के अभाव में लक्ष्यों को प्राप्त करना असम्भव है। अतः पाठ्यक्रम लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक उचित साधन है।

## पाठ्यक्रम का अर्थ

पाठ्यक्रम अंग्रेजी शब्द करीकुलम का हिन्दी रूपान्तर है। 'करीकुलम' शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के शब्द 'क्यूररे' से हुई है, जिसका अर्थ है – 'Race Course' (दौड़ का मैदान) इस प्रकार पाठ्यचर्या वह दौड़ का मैदान है जिस पर बालक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दौड़ता है।

## Definations

क्रो व क्रो – "पाठ्यचर्या में सीखने वाले या बालक के वे सभी अनुभव निहित हैं, जिन्हें वह विद्यालय या उसके बाहर प्राप्त करता है। ये समस्त अनुभव एक कार्यक्रम में निहित किये जाते हैं जो उसके मानसिक, शारीरिक, संवेगात्मक, व नैतिक रूप से विकसित होने में सहायता करता है।"

Scanned with CamScanner

वाल्टन के अनुसार - "पाठ्यचर्या में वे समस्त अनुभव सम्मिलित होते हैं, जिनको बालक विद्यालय के निर्देशन में प्राप्त करते हैं, इसके अन्तर्गत कक्षा - कक्ष की क्रियाएं या उनके बाहर के समस्त कार्य एवं खेल सम्मिलित हैं।"

## पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धान्त

(1) प्रेरणा का सिद्धान्त (2) उपयोगिता का सिद्धान्त
(3) जीवन से सम्बन्धित होने का सिद्धान्त
(4) खेल व कार्य की क्रियाओं के अन्तर्सम्बन्ध का सिद्धान्त
(5) विकास की सतत् प्रक्रिया का सिद्धान्त
(6) जीवन-सम्बन्धी सब क्रियाओं के समावेश का सिद्धान्त
(7) अनुभवों की पूर्णता का सिद्धान्त
(8) विविधता और लचीलेपन का सिद्धान्त
(9) अधिगम - क्षमता का सिद्धान्त

इगलिश ने छोटे बच्चों तथा व्यस्कों की अधिगम - क्षमता में निम्नलिखित अन्तर बताये हैं -

(Child)
(1) मूर्त बातों की समझ।
(2) निश्चित बातों की समझ।
(3) साधारण बातों की समझ।
(4) ध्यान - विस्तार कम।
(5) प्रत्यक्षीकरण की गति मन्द।
(6) चिन्तन की गति मन्द।
(7) रटन स्मृति।
(8) अनुकरण प्रवृत्ति।
(9) प्रत्यक्ष प्रतिक्रियाएं करना।
(10) इन्द्रिय अवलोकन करना।

(Adult)
(1) अमूर्त बातों की समझ
(2) सामान्य नियमों की समझ
(3) जटिल नियमों की समझ
(4) ध्यान - विस्तार अधिक
(5) प्रत्यक्षीकरण की गति तीव्र
(6) चिन्तन की गति तीव्र
(7) तार्किक स्मृति
(8) मौलिक प्रवृत्ति
(9) मानसिक प्रतिक्रियाएं करना
(10) तार्किक अवलोकन करना

Continue...

Scanned with CamScanner